भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 362 | बिजौलिया - सोमवार, 20 जुलाई ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

तबादलों पर अब पूरी तरह विराम, जहां पोस्टिंग हुई वहीं संभालना होगा कार्यभारः दिलावर

10 जुलाई तक ही खुली थी तबादला प्रक्रिया, अब किसी भी स्तर पर नहीं होगा पुनर्विचार

भीलवाड़ा फोकस @ जोधपुर।

प्रदेश के हजारों शिक्षकों और शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के लिए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने तबादलों को लेकर बड़ा और अंतिम संदेश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 10 जुलाई तक ही तबादलों की प्रक्रिया खुली थी, लेकिन अब उस पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। जिन कर्मचारियों के तबादला आदेश जारी हो चुके हैं, उन्हें अब उसी स्थान पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। मंत्री ने दो टूक कहा कि अब तबादलों को लेकर किसी भी प्रकार की चर्चा या पुनर्विचार नहीं किया जाएगा।

रविवार को जोधपुर दौरे पर पहुंचे शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सर्किट हाउस में निजी स्कूलों के शिक्षकों, स्कूल संचालकों, शिक्षा विभाग के कर्मचारियों, सरकारी शिक्षकों और भाजपा पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर उन्हें ज्ञापन भी सौंपे। बाद में मीडिया से बातचीत में उन्होंने तबादलों, पंचायत चुनाव और विभागीय व्यवस्थाओं सहित कई मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखा।

तबादलों को लेकर मंत्री ने कहा कि 10 जुलाई तक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन और आदेश जारी किए गए थे, लेकिन अब प्रक्रिया पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले हुए हैं, उन्हें अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार

संभालना होगा तथा इस विषय पर आगे कोई विचार नहीं किया जाएगा।

पंचायत चुनाव टालने को लेकर विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए दिलावर ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन राजस्थान की जनता इन आरोपों पर विश्वास नहीं करती। सरकार संवैधानिक प्रावधानों और नियमानुसार ही अपने निर्णय ले रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा उनके परिवार के कई सदस्यों के तबादले किए जाने के आरोपों पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि 'मेरे लिए पूरा शिक्षा विभाग ही मेरा परिवार है।' उन्होंने कहा कि सरकार किसी व्यक्ति विशेष या परिवार के आधार पर निर्णय नहीं लेती, बल्कि विभागीय नियमों और प्रशासनिक आवश्यकता के अनुसार ही पदस्थापन किए जाते हैं। जहां पहले से कर्मचारी कार्यरत हैं, उसी के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

देश के टॉप 25 सांसदों में शामिल हुए भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, फेम इंडिया-एशिया पोस्ट सर्वे में मिली जगह

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मूलचन्द पेसवानी

भीलवाड़ा के सांसद दामोदर अग्रवाल को देश के सर्वश्रेष्ठ सांसदों में शामिल किया गया है। फेम इंडिया मैगज़ीन और एशिया पोस्ट के संयुक्त सर्वेक्षण में उन्हें 18वीं लोकसभा के पहले वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर देश के शीर्ष 25 लोकसभा सांसदों की सूची में स्थान मिला है। इस उपलब्धि से भीलवाड़ा जिले में खुशी का माहौल है और समर्थकों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है।

सर्वे के अनुसार सांसद दामोदर अग्रवाल की संसदीय उपस्थिति 99 प्रतिशत रही। उन्होंने लोकसभा में 223 प्रश्न पूछे, 26 बहसों में भाग लिया और तीन निजी विधेयक प्रस्तुत किए। उनकी सक्रियता राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही, जिसे उनकी प्रभावी संसदीय भूमिका का प्रमाण माना गया है। सांसद अग्रवाल ने संसद में भीलवाड़ा के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। इनमें पीएम मित्र योजना के तहत टेक्सटाइल पार्क की मांग, भीलवाड़ा-मुंबई रेल सेवा, अजमेर-कोटा रेल लाइन, नाथद्वारा-जयपुर रेल लाइन, रेलवे ओवरब्रिज, भीलवाड़ा-शाहपुरा-देवली फोरलेन, सीजीएचएस वेलनेस सेंटर, हमीरगढ़ हवाई पट्टी के विकास तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके अलावा नंदासा स्तूप को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने, पर्यटन विकास, अवैध खनन, पर्यावरण संरक्षण और जैविक कृषि जैसे मुद्दे भी उन्होंने सदन में उठाए।

सांसद निधि के माध्यम से उन्होंने स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष, सामुदायिक भवन, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लगातार जनसंपर्क कर स्थानीय समस्याओं को संसद और संबंधित मंत्रालयों तक पहुंचाने की उनकी कार्यशैली को भी सराहा गया।

फेम इंडिया के अनुसार यह सर्वे सांसदों की संसदीय उपस्थिति, बहसों में भागीदारी, पूछे गए प्रश्न, निजी विधेयक, सांसद निधि के उपयोग, जनसंपर्क, क्षेत्रीय विकास, नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक छवि जैसे विभिन्न मानकों पर आधारित रहा। इसमें नागरिकों, शिक्षाविदों, वरिष्ठ पत्रकारों और विशेषज्ञों की राय भी शामिल की गई।

इस वर्ष पहली बार राज्यसभा सांसदों को भी सर्वे में शामिल किया गया, जबकि मंत्रिपरिषद के सदस्यों और लोकसभा व राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष को निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए सूची से बाहर रखा गया। शीर्ष सांसदों की सूची में अनुराग ठाकुर, शशि थरूर, सुप्रिया सुले, तेजस्वी सूर्या, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, पी.पी. चौधरी, राहुल कसवां, पप्पू यादव, मनीष तिवारी और दामोदर अग्रवाल सहित देश के 25 सांसदों को स्थान मिला है।

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से पैंथर की मौत

नेशनल हाइवे पर मेनाल के पास हादसा, सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से होते है हादसे

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

नेशनल हाईवे-27 पर रविवार अल सुबह सड़क पार कर जंगल की ओर जा रहे एक पैंथर की मेनाल और लाड़पूरा के बीच अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हाईवे पर पैंथर का शव पड़ा देख राहगीरों ने वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

क्षेत्रीय वन अधिकारी विमल रेगर ने बताया कि रविवार सुबह हाईवे पर पैंथर का शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पैंथर के सिर

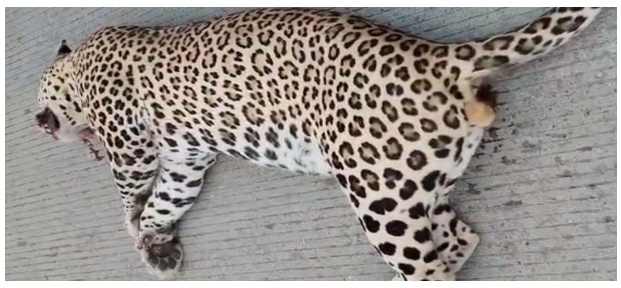

और मुंह पर गंभीर चोट के निशान मिले। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जंगल की ओर जाते समय किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई। मृत पैंथर की उम्र करीब 7 से 8 वर्ष है।

वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर मांडलगढ़ वन विभाग कार्यालय रखवाया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद नियमानुसार अंतिम संस्कार किया जाएगा। विभाग मामले की जांच कर रहा है। गौरतलब है कि नेशनल हाईवे-27 पर मेनाल वन क्षेत्र से जुड़े हिस्सों में वन्यजीव अक्सर सड़क पर आ जाते हैं। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि हाईवे किनारे पर्याप्त तारबंदी और अन्य सुरक्षा उपाय नहीं होने से आए दिन वन्यजीव दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। विशेष रूप से आरोली और लाडपुरा के बीच सुरक्षा इंतजाम करने की मांग कई बार उठाई जा चुकी है, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ऐसे हादसे लगातार सामने आ रहे हैं।

देवनारायण की बनी में मंदिर निर्माण को लेकर विवाद, धमकी का आरोप; भूमि पूजन से पहले पुलिस से सुरक्षा की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

देवनारायण की बनी में प्रस्तावित बंक्यारानी माता मंदिर के निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। भूमि पूजन से दो दिन पहले ग्रामीणों ने गुर्जर समाज के कुछ लोगों पर मंदिर निर्माण का विरोध करने, निर्माण कार्य रुकवाने तथा विरोध करने पर खून-खराबे की धमकी देने का आरोप लगाते हुए बिजोलिया थाने में रिपोर्ट दी है। साथ ही 21 जुलाई को प्रस्तावित भूमि पूजन के दौरान पर्याप्त पुलिस जाब्ता तैनात करने की मांग की है।

ग्रामीणों की रिपोर्ट के अनुसार

देवनारायण की बनी स्थित बंक्यारानी माता का स्थान लंबे समय से क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां मंदिर निर्माण का निर्णय लिया गया है और 21 जुलाई को सुबह 11 बजे भूमि पूजन एवं निर्माण कार्य का शुभारंभ होना है।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 18 जुलाई की शाम करीब 7:30 बजे ग्रामीण और महिलाएं निर्माण स्थल पर कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान 6-7 लोग मौके पर पहुंचे और कथित रूप से मंदिर निर्माण का विरोध करते हुए कहा कि यहां मंदिर नहीं बनने दिया जाएगा। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपियों ने निर्माण सामग्री तोड़ने तथा जबरन काम शुरू करने पर खून-खराबे और चाकू चलने जैसी धमकियां भी दीं।

ग्रामीणों ने रिपोर्ट में आशंका जताई है कि यदि भूमि पूजन के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए तो कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसलिए आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ कार्यक्रम स्थल पर पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

इस संबंध में कार्यवाहक थाना प्रभारी एएसआई सुनील कुमार बेनीवाल ने बताया कि मामले में रिपोर्ट प्राप्त हुई है। रिपोर्ट के आधार पर जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महात्मा गांधी अस्पताल में हाई रिस्क प्रसूताओं के लिए 8 बेड का स्पेशल केयर यूनिट शुरू

24 घंटे उपलब्ध रहेंगे वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, जटिल मामलों का होगा त्वरित उपचार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

महात्मा गांधी चिकित्सालय में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए हाई रिस्क प्रसूताओं के लिए 8 बेड का विशेष स्त्री एवं प्रसूति रोग स्पेशल केयर यूनिट शुरू किया गया है। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देश पर शुरू की गई इस सुविधा में गंभीर और जटिल गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार एवं देखभाल की जाएगी। पीएमओ डॉ. अरुण गौड़ ने बताया कि अस्पताल में अब 24 घंटे वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ तैनात रहेंगे, जिससे आपातकालीन और जटिल प्रसूति मामलों का तुरंत उपचार किया जा सकेगा। इसके साथ ही ऑपरेशन थिएटर की सुविधाओं का विस्तार कर आवश्यक संसाधन बढ़ाए गए हैं, ताकि सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण मातृत्व सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।अस्पताल प्रशासन के अनुसार एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, बार-बार गर्भपात, संक्रमण, कम उम्र में गर्भधारण, पूर्व सिजेरियन डिलीवरी, अत्यधिक रक्तस्राव, थायराइड, हृदय एवं किडनी रोग, आरएच नेगेटिव गर्भावस्था और भ्रूण की असामान्य स्थिति जैसी जटिलताओं वाली गर्भावस्थाओं को हाई रिस्क श्रेणी में रखा जाएगा। ऐसी महिलाओं की विशेष निगरानी कर समय पर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। अस्पताल में बीपी, सीबीसी, ब्लड शुगर, ईसीजी, एसजीओटी-एसजीपीटी, यूरिया, क्रिएटिनिन, यूरिन एल्बुमिन और टीएसएच सहित सभी आवश्यक जांचों की सुविधा भी 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। चिकित्सा अधीक्षक एवं स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा बहड़ ने गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि वे बिना किसी संकोच के अस्पताल में उपलब्ध विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ लें, ताकि मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

बिजोलिया में पुलिस का बड़ा अभियान, सात टीमों ने दी 18 स्थानों पर दबिश; 13 वारंटी गिरफ्तार

एक स्थायी वारंटी समेत 12 गिरफ्तारी वारंटों की तामील, हिस्ट्रीशीटरों और अपराधियों का भी किया सत्यापन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

थाना क्षेत्र में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया। वृत्ताधिकारी योगेश शर्मा के निर्देशन एवं थानाधिकारी स्वागत पांड्या के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में पुलिस ने 13 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इनमें एक स्थायी वारंटी तथा 12 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं।

अभियान के दौरान सात पुलिस टीमों का गठन कर थाना क्षेत्र के 18 स्थानों पर एक साथ दबिश दी गई। पुलिस ने न्यायालय से जारी विभिन्न मामलों के वारंटों की तामील करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कार्रवाई के दौरान आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम तथा संपत्ति संबंधी मामलों में पूर्व में चालानशुदा आरोपियों से भी पूछताछ की गई। इसके अलावा थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन कर उनकी गतिविधियों की समीक्षा की गई और पूछताछ नोट तैयार किए गए।

एएसआई सुनील कुमार बेनीवाल ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

'भीलवाड़ा फोकस'

अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।

Mo.– 8696795959

Bhilwarafocus@gmail.com

BHILWARA Focus

भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

भीलवाड़ा में आस्था का महासंगमः आचार्य रामदयालजी महाराज की पधरावणी में उमड़ा जनसैलाब

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

मूलचन्द पेसवानी

धर्मनगरी भीलवाड़ा रविवार को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर नजर आई, जब अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगदुरु आचार्य स्वामी श्री रामदयालजी महाराज विश्व शांति कल्याण चातुर्मास के लिए भव्य पधरावणी के साथ शहर पहुंचे। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी, 108 थालियों से महाआरती, भव्य शोभायात्रा, पुष्पवर्षा और जयघोषों के बीच पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

स्टेशन चौराहे पर सर्व समाज की ओर से वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के साथ आचार्यश्री का स्वागत किया गया। 108 थालियों से हुई महाआरती के बाद स्टेशन चौराहे से माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा तक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। हाथी, घोड़े, ऊंट, शाही लवाजमा, छत्र-चंवर, रामभक्ति से ओतप्रोत बैंड, महाकाल आरती दल और जबलपुर से आए बैंड की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

शोभायात्रा मार्ग पर 108 स्वागत द्वार बनाए गए थे। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर आचार्यश्री का अभिनंदन किया, जबकि ड्रोन से भी पुष्पवर्षा की गई। कलाकारों ने मार्ग में सतरंगी रंगोलियां सजाकर आयोजन की भव्यता को और बढ़ाया। शोभायात्रा की विशालता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसका अग्रभाग सूचना केंद्र चौराहे तक पहुंच चुका था, जबकि अंतिम छोर स्टेशन चौराहे पर ही था।

रामद्वारा पहुंचकर आचार्य रामदयालजी महाराज ने अभिजीत मुहूर्त में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश किया और धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चातुर्मास आत्मचिंतन, मर्यादा, सेवा और भक्ति का काल है। उन्होंने विश्व शांति, सद्भाव और मानवता की रक्षा का संदेश देते हुए कहा कि भारत आतंकवाद, भ्रष्टाचार और सामाजिक विकृतियों से मुक्त होकर विश्व को शांति का मार्ग दिखाए।

उन्होंने कहा कि 'जो व्यवहार हमें स्वयं पसंद नहीं, वह दूसरों के साथ भी नहीं करना चाहिए। संस्कृति समाज और राष्ट्र को जोड़ती है, जबकि विकृतियां उसे कमजोर करती हैं। '

आचार्यश्री ने भीलवाड़ा में जैन संतों के चातुर्मास का उल्लेख करते हुए इसे सनातन और जैन संस्कृति का अद्भुत संगम बताया। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा की धरती संतों की तपोभूमि बन गई है और यहां का वातावरण धर्ममय हो उठा है।

समारोह में देशभर से आए अनेक संतों ने भी मंगलभाव व्यक्त किए। स्वरूपा महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा 11 विद्वानों ने स्वस्तिवाचन किया। इस अवसर पर विश्व शांति कल्याण चातुर्मास के प्रतीक चिन्ह का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक अशोक कोठारी, पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी और गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों रामस्नेही श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आचार्य रामदयालजी महाराज ने चातुर्मास के आयोजक अशोक अजमेरा परिवार, मुरली ईनाणी परिवार और शिव गगरानी परिवार की भक्ति भावना की सराहना करते हुए कहा कि इन परिवारों ने भीलवाड़ा को धर्मलाभ का दुर्लभ अवसर प्रदान किया है।

चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन रामधुनी, वाणीजी पाठ, प्रवचन, संध्या आरती सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव, 13 से 20 सितंबर तक भागवत ज्ञान महोत्सव तथा 22 अक्टूबर को चातुर्मास का समापन होगा।

15 टन के डंपरों में 45 टन तक पत्थर, बिजोलिया में ओवरलोड वाहनों पर नहीं लग रही लगाम

भीड़भाड़ वाले बाजार से गुजर रहे भारी वाहन, हादसों का बढ़ा खतरा; लोगों ने संयुक्त कार्रवाई की उठाई मांग

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

उपखंड क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों का संचालन लगातार बढ़ रहा है। निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक पत्थर भरकर डंपरों का संचालन खुलेआम किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि 15 टन क्षमता वाले डंपरों में 40 से 45 टन तक पत्थर भरकर परिवहन किया जा रहा है, जिससे सड़क सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि ये भारी वाहन बिजोलिया नगर के भीड़भाड़ वाले बाजार, मुख्य मार्गों और रिहायशी क्षेत्रों से होकर गुजर रहे हैं। दिनभर स्कूली बच्चों, दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों की आवाजाही के बीच ओवरलोड डंपरों की रफ्तार से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों के बीच लोग ओवरलोड वाहनों को भी इसकी प्रमुख वजह मान रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नियमित जांच और सख्त कार्रवाई के अभाव में वाहन संचालकों के हौसले बुलंद हैं। ओवरलोडिंग के कारण सड़कें भी समय से पहले क्षतिग्रस्त हो रही हैं, जिससे सरकारी राजस्व का भी नुकसान

हो रहा है।

नगरवासियों ने प्रशासन से भीड़भाड़ वाले नगर क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने तथा परिवहन, पुलिस और प्रशासन के संयुक्त अभियान के जरिए क्षमता से अधिक भार लेकर चलने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

इस संबंध में माइनिंग फोरमैन गिरिराज मीणा ने बताया कि वाहनों में ओवरलोडिंग के विरुद्ध कार्रवाई करना परिवहन विभाग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। माइनिंग विभाग की ओर से सैंडस्टोन के परिवहन पर निर्धारित वजन के अनुसार ही रॉयल्टी वसूली जाती है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।

युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी एवं साध्वीवृंद के चातुर्मास मंगल प्रवेश पर उमड़ा श्रद्धा, भक्ति और आस्था का विराट जनसैलाब

वस्त्रनगरी भीलवाड़ा बनी धर्मनगरी, हजारों श्रद्धालुओं की साक्षी में शांतिभवन में हुआ चातुर्मास मंगल प्रवेश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में रविवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का अनुपम संगम देखने को मिला, जब श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा., हितमित भाषी हितेन्द्र ऋषिजी , तपस्वी धवल ऋषिजी, महक ऋषिजी,यशोदिप्ती मधुकंवर जी,उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी,मधुर व्याख्यानी सुचेताजी,एवं साध्वी पियूष दर्शनाजी सहित साधु-साध्वीवृंद का चातुर्मास मंगल प्रवेश भव्य शोभायात्रा के साथ शांतिभवन, भोपालगंज पहुँचा। शांतिभवन श्रीसंघ के संरक्षक नवरतन बंब,अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़, चातुर्मास संयोजक कंवरलाल सूरिया, मदनलाल चौरड़िया,मंत्री नवरतनमल भलावत, सुशील चपलोत, नरेन्द्र भंडारी, मीठ्ठालाल सिंघवी, आनन्द चपलोत, महावीर नवयुवक मंडल सेवा संस्थान के संरक्षक बाबूलाल सूरिया, अध्यक्ष मनीष कोठारी, हुक्मीचंद खटोड़, शोभायात्रा संयोजक अनुराग नाहर, जयप्रकाश आंचलिया, जितेन्द्र काठेड़, नवीन नाहर तथा शांति जैन महिला मंडल की अध्यक्षा सिम्मी पोखरना, चंदा कोठारी, प्रमिला कोटिचा एवं मंजू खटवड़ सहित समाज के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं

एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने युवाचार्यश्री एवं साधु-साध्वीवृंद की अगवानी करते हुए अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनिजी म.सा., सेवाभावी महासती ज्ञानकंवरजी म.सा. एवं सांसद दामोदर अग्रवाल की उपस्थिति रही।

शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन से प्रारंभ हुई मंगल प्रवेश यात्रा माणिक्य नगर, महाराणा टॉकीज, नेहरू रोड, नेताजी सुभाष मार्केट एवं गोल प्याऊ चौराहा होते हुए आगे बढ़ी। इसमें भीलवाड़ा सहित देशभर से पहुँचे हजारों श्रावक-श्राविकाएँ अनुशासित भाव से सम्मिलित हुए। धर्मध्वजाओं, मंगलकलशों, नवकार मंत्र की मंगलध्वनि और जयघोषों से नगर का वातावरण धर्ममय हो उठा। चातुर्मास मंगल प्रवेश के अवसर पर युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने समाज की श्रद्धा, समर्पण और उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी आध्यात्मिक यात्रा का वास्तविक मूल्य उसके भव्य आरंभ में नहीं, बल्कि उसके निरंतर पुरुषार्थ में निहित होता है। समाज ने जिस श्रद्धा, उमंग और भावनाओं के साथ चातुर्मास मंगल प्रवेश को सम्पन्न किया है, वही भावना आगामी चार माह तक साधना, आराधना, स्वाध्याय और आत्मानुशासन के रूप में निरंतर बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महान संकल्प की सफलता केवल उसके प्रारंभ से नहीं, बल्कि उसे निरंतर आगे बढ़ाने वाले पुरुषार्थ से निर्धारित होती है। धर्म धैर्य, संयम और निरंतर साधना का मार्ग है। सत्य, आत्मचिंतन और सदाचार की दिशा में उठाया गया प्रत्येक कदम जीवन को नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा से हमारा आत्मीय जुड़ाव रहा है। इसी अपनत्व और विश्वास के कारण इस चातुर्मास के लिए भीलवाड़ा को प्रदान किया गया। अब समाज का दायित्व है कि मंगल प्रवेश के अवसर पर दिखाई दिया उत्साह केवल समारोह तक सीमित न रहे, बल्कि आगामी चार माह तक प्रत्येक परिवार और प्रत्येक हृदय में साधना की चेतना के रूप में जीवंत बना रहे। उन्होंने कहा कि हम यहां केवल चातुर्मास करने नहीं आए हैं, बल्कि समाज को साधना, आराधना, स्वाध्याय और आध्यात्मिक जागरण की दिशा में आगे बढ़ाने आए हैं। यदि इन चार महीनों में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में संयम, आत्मचिंतन और धर्ममय आचरण को स्थान देता है, तो यही चातुर्मास मंगल प्रवेश की वास्तविक सार्थकता होगी।

इस दौरान श्रीसंघ के पदाधिकारियों एवं अखिल भारतीय जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। वहीं नई दिल्ली स्थित अरिहंत नगर से आए प्रतिनिधिमंडल ने युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. से आगामी वर्ष 2027 के चातुर्मास के लिए विनती प्रस्तुत की

श्रीराम मंडल सेवा संस्थान ने लगाए 61 पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

श्रीराम मंडल सेवा संस्थान ने वर्षा ऋतु के अवसर पर आरएसईबी कॉलोनी, बापूनगर में पौधरोपण अभियान चलाकर 61 पौधे लगाए। अभियान के तहत बरगद, नीम, पीपल, आम, जामुन, सहजन, आंवला, अमरूद, अनार, सीताफल सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम प्रभारी बनवारी सैनी ने बताया कि पौधों के बेहतर विकास के लिए जैविक खाद का उपयोग किया गया तथा उनकी सुरक्षा और नियमित सिंचाई की व्यवस्था भी की गई है। पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी श्रीराम मंडल सेवा संस्थान एवं आरएसईबी कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से ली है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधीक्षण अभियंता एम.के. यादव, संस्था अध्यक्ष शांति प्रकाश मोहता एवं मजदूर महासंघ अध्यक्ष पन्नालाल चौधरी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में संस्था सदस्यों एवं स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर पौधरोपण में भाग लिया।

भील समाज छात्रावास में विकास समिति की बैठक, शिक्षा व सामाजिक सुधार पर हुई चर्चा

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

मानव तिवाड़ी। भील समाज छात्रावास में रविवार को विकास समिति के तत्वावधान में समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में समाज के अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, संगठन को मजबूत बनाने तथा नए समिति गठन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में पूर्व समिति के कार्यों की समीक्षा करते हुए सर्वसम्मति से नई समिति का गठन किया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त को

विश्व आदिवासी दिवस भील समाज छात्रावास परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।बैठक की अध्यक्षता गंगाराम भील ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रामनाथ (बूंदी), शिवचरण (कोटा), सोहनलाल, शिवलाल एवं रामचंद्र उपस्थित रहे। वक्ताओं ने समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं को संगठित करने तथा सामाजिक एकता बनाए रखने पर जोर दिया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि छात्रावास में बाहर से आने वाले विद्यार्थियों के ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए समाज के सहयोग से चंदा एकत्र कर एक हॉल का निर्माण कराया जाएगा। इस अवसर पर हीरालाल भील, नंदलाल (सरपंच), कन्यालाल, माधवलाल, जगदीशचंद्र, मांगीलाल, खेमराज, बाबूलाल, छोटी बिजोलिया के गुलाबजी, मोहन, गोपाल, सोहन, प्रभुलाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नंदलाल सरपंच ने किया।

पहले ही प्रयास में नीट यूजी पास कर आयुष शर्मा ने बढ़ाया महुआ का मान

भीलवाड़ा फोकस @ महुआ।

कस्बे के होनहार छात्र आयुष शर्मा ने पहले ही प्रयास में नीट यूजी-2026 परीक्षा उत्तीर्ण कर एमबीबीएस में चयन सुनिश्चित करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 13,294 तथा कैटेगरी रैंक 1,493 हासिल की है। उनकी सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

आयुष, महुआ निवासी राजकुमार शर्मा के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने उनका मिठाई खिलाकर एवं बधाई देकर स्वागत किया। सभी ने उनकी मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मूलचंद शर्मा, राजकुमार शर्मा, रेखा देवी शर्मा, हीरालाल शर्मा सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने आयुष का अभिनंदन किया।

QUICK BITES

खेराड़ क्षेत्र बलाई समाज की बैठक में एकता, शिक्षा और सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

खेराड़ क्षेत्र बलाई समाज की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को कस्बा स्थित चामुंडा माता मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में समाज में एकता को मजबूत करने, शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, युवाओं को संगठित करने तथा समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से मंथन किया गया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम है। युवाओं से उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। साथ ही सामाजिक समरसता बनाए रखने, समाज के अधिकारों की रक्षा करने और विभिन्न सामाजिक चुनौतियों का संगठित होकर सामना करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में समाज हित से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खेराड़ क्षेत्र बलाई समाज की अगली बैठक 30 अगस्त (रविवार) को आयोजित की जाएगी, जिसमें आगामी कार्यक्रमों एवं सामाजिक विकास की रणनीति तय की जाएगी। इस अवसर पर कल्याण मेघवंशी, लक्ष्मण मेघवंशी, ओमप्रकाश जोजर, आशीष राज मेघवंशी, कमलेश, चंद्रप्रकाश, अर्जुन लाल, मोहनलाल, सोजीराम, प्रदीप, जगदीश बलाई सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

शक्करगढ़ थाना क्षेत्र में चोर सक्रिय, उरना गांव में पांच दिन में दूसरी चोरी

कुएं से मोटर निकालकर केबल और स्टार्टर ले गए, ग्रामीणों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

थाना क्षेत्र के उरना गांव में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। पांच दिनों के भीतर गांव में दूसरी चोरी की वारदात सामने आने से किसानों में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने और चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात अज्ञात चोर रमेश शर्मा के खेत स्थित कुएं पर पहुंचे। चोरों ने मोटर को कुएं से बाहर निकाल दिया और उसका स्टार्टर तथा विद्युत केबल चोरी कर फरार हो गए। सुबह खेत पर पहुंचने पर किसान को घटना की जानकारी मिली।

ग्रामीणों ने बताया कि इससे करीब पांच दिन पहले भी गांव के कैलाश खटीक के खेत पर इसी तरह की चोरी हुई थी। वहां भी चोर मोटर को कुएं से बाहर निकालकर उसकी सामग्री चोरी कर ले गए थे। लगातार हो रही वारदातों से किसानों में दहशत का माहौल है।शक्करगढ़।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रात के समय पुलिस गश्त नहीं होने से चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से नियमित गश्त बढ़ाने, चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करने तथा किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

नीट में अक्षत गट्टानी और देवराज जीनगर ने लहराया परचम, बरूंदनी का बढ़ाया मान

भीलवाड़ा फोकस @ बड़लियास।

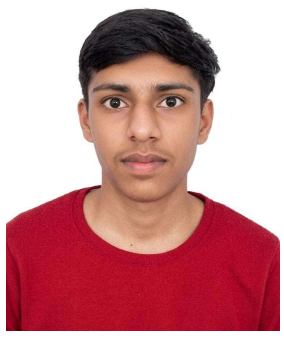

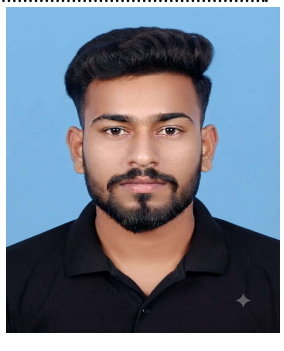

रोशन। कृषि उपज के लिए प्रसिद्ध 'लाखीणी बरूंदनी' कस्बे के दो होनहार विद्यार्थियों अक्षत गट्टानी और देवराज जीनगर ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में शानदार सफलता हासिल कर गांव का नाम रोशन किया है। दोनों की उपलब्धि से कस्बे में खुशी का माहौल है। अक्षत गट्टानी ने 599 अंक प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर पर 10,341वीं तथा वर्ग में 4,225वीं रैंक हासिल की। वे भूपेंद्र गट्टानी के पुत्र हैं और उन्होंने कोटा के एलन संस्थान से तैयारी की। उनकी माता पुष्पा देवी शिक्षिका तथा दादा रामेश्वर लाल गट्टानी सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। अक्षत ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के सहयोग को दिया।

वहीं देवराज जीनगर ने 527 अंक प्राप्त कर अखिल भारतीय 58,813वीं एवं वर्ग में 1,896वीं रैंक हासिल की। उन्होंने सीकर के आयाम करियर इंस्टीट्यूट से तैयारी की। उनके पिता संजय जीनगर पेंटर हैं, जबकि माता सीमा देवी गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद देवराज की सफलता क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन गई है।

संतों के आशीर्वाद से गौ सम्मान आह्वान अभियान को मिला व्यापक समर्थन

शक्करगढ़, आसींद, जहाजपुर, मोड़ का निंबाहेड़ा, गुलाबपुरा, काछोला एवं शक्करगढ़ में व्यापक जनसंपर्क

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

गौ माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर देशभर में संचालित गौ सम्मान आह्वान अभियान के दूसरे चरण की तैयारियों के तहत रविवार को भीलवाड़ा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान को संत समाज का विशेष आशीर्वाद एवं समर्थन प्राप्त हुआ।

शक्करगढ़ में महामंडलेश्वर श्री जगदीश पुरी जी महाराज, आसींद (सवाई भोज) में महंत सुरेश दास जी महाराज तथा मालासेरी डूंगरी में महंत हेमराज जी पोसवाल ने अभियान का समर्थन करते हुए सभी सनातनी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में इस राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। महामंडलेश्वर जगदीश पुरी जी महाराज ने कहा कि गौ संरक्षण भारतीय संस्कृति, धर्म और जीवन मूल्यों का अभिन्न अंग है तथा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह इस जनजागरण अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए।

रविवार को अभियान के अंतर्गत जहाजपुर, मोड़ का निंबाहेड़ा, आसींद, गुलाबपुरा, शक्करगढ़ एवं काछोला क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों, गौसेवकों, गौशाला संचालकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों से संपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर अभियान के संभाग प्रभारी नंदकिशोर साहू, जिला प्रभारी जगदीश तेली, अभियान संचालक बाबूलाल टाक एवं जिला सदस्य हरीश श्रोत्रिय ने विभिन्न स्थानों पर नागरिकों से संवाद करते हुए गौ संरक्षण, गौ संवर्धन तथा भारतीय संस्कृति में गौमाता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगामी 27 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की जिला कार्यकारिणी गठित, संजीव कुमार शर्मा बने जिलाध्यक्ष, अमर सिंह चौहान को जिला मंत्री की जिम्मेदारी

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (विद्यालय शिक्षा) जिला शाहपुरा इकाई की प्रथम जिला साधारण सभा रविवार को गांधीपुरी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में तीन सत्रों में आयोजित हुई। सभा में प्रदेश, संभाग, जिला एवं खंड स्तर के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में शिक्षक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए संजीव कुमार शर्मा को जिलाध्यक्ष तथा अमर सिंह चौहान को जिला मंत्री मनोनीत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, मां सरस्वती एवं संगठन के प्रेरणा पुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत चौधरी ने की। मुख्य वक्ता एवं पालक कार्यकर्ता महेश कुमार शर्मा (केकड़ी) ने संगठन की विचारधारा, शिक्षक हितों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। मंच संचालन संजीव कुमार शर्मा ने किया।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता नवमनोनीत जिलाध्यक्ष संजीव कुमार शर्मा ने की। इस दौरान सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार, शिक्षक हितों, स्थानांतरण, डीपीसी, सेवा संबंधी समस्याओं एवं आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने संगठन को अधिक प्रभावी और सक्रिय बनाने का संकल्प लिया। समापन सत्र में मुख्य वक्ता दिलीप पाराशर ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता निर्माण और राष्ट्र निर्माण में शिक्षक समाज की भूमिका पर प्रेरक उद्बोधन दिया। सत्र का संचालन नवमनोनीत जिला मंत्री अमर सिंह चौहान ने किया। इसी दौरान सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई और नव निर्वाचित पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया।

नवगठित कार्यकारिणी में संजीव कुमार शर्मा (जिलाध्यक्ष), अमर सिंह चौहान (जिला मंत्री), सीताराम जाट (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), भगवान सिंह (उपाध्यक्ष), रामेश्वर बगड़िया (महिला उपाध्यक्ष), दिनेश कुमार शर्मा (उपाध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा), हनुमान प्रसाद शर्मा (उपाध्यक्ष प्रारंभिक शिक्षा), शिवचरण शर्मा (उपाध्यक्ष संस्कृत शिक्षा), पवन जोशी (सचिव माध्यमिक शिक्षा), शांति धाभाई (महिला मंत्री), अंबिका धाभाई (जिला महिला सचिव), बालकृष्ण मालू (सचिव संस्कृत शिक्षा), दिनेश लक्षकार (अतिरिक्त जिला मंत्री), शांतिलाल पोखरणा (कोषाध्यक्ष), प्रशांत चौधरी (प्राध्यापक सदस्य), रीता धोबी (प्रधानाचार्य सदस्य) तथा योगेश कुमार कुमावत (प्रयोगशाला सहायक सदस्य) सहित अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

सभा में पूर्व संभाग संगठन मंत्री इंदिरा धुपिया, कोटड़ी खंड अध्यक्ष दुर्गाशंकर शर्मा, बनेड़ा खंड अध्यक्ष वेदप्रकाश पारीक, जहाजपुर खंड अध्यक्ष मानसिंह मीणा, फुलिया खंड अध्यक्ष रामगोपाल मीणा, कोटड़ी मंत्री पुष्पेंद्र काबरा, शाहपुरा मंत्री राकेश सोनी, कोषाध्यक्ष नयन बुला, कमल मीणा, संजय त्रिपाठी, नवरत्न मलबगड़िया सहित अनेक शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन के ध्येय 'शिक्षक हित - राष्ट्र हित - संगठन शक्ति' को आत्मसात करते हुए शिक्षक हितों की रक्षा एवं संगठन को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र एवं आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

गोवटा बांध पर मछुआरों को आपदा सुरक्षा का दिया प्रशिक्षण, एसडीआरएफ ने बताए बचाव के तरीके

भीलवाड़ा फोकस @ बड़लियास।

रोशन। मांडलगढ़ एसडीआरएफ की टीम ई-05 एवं सिविल डिफेंस द्वारा जन-जागरूकता एवं आपदा सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत गोवटा बांध पर मछुआरों को विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव और सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान टीम ने सीपीआर (CPR) देने की सही प्रक्रिया, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), पानी में डूब रहे व्यक्ति को लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय तथा घरेलू संसाधनों जैसे पानी की बोतल, बांस और प्लास्टिक पीपी की मदद से सुरक्षित बाहर निकालने के व्यावहारिक तरीके बताए। इसके अलावा चोट लगने पर रक्तस्राव रोकने के उपाय तथा खुले बोरवेल से होने वाले खतरों और उन्हें सुरक्षित ढंग से ढकने के संबंध में भी जानकारी दी गई। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, मछुआरों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अधिकारियों ने आपदा के समय घबराने के बजाय प्रशिक्षण के दौरान बताए गए सुरक्षा उपाय अपनाने की अपील की।

श्री नरसिंह मंदिर में गौभक्त संगोष्ठी आयोजित, 27 जुलाई को राष्ट्रव्यापी ज्ञापन का संकल्प

भीलवाड़ा फोकस @ आसींद।

स्थानीय श्री नरसिंह भगवान मंदिर में संत श्री 1008 रामप्रकाश दास जी महाराज के सानिध्य में एक भव्य गौभक्त संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें गौ संरक्षण, संवर्धन और गौ सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन और सार्थक चर्चा की गई। बैठक में आगामी 27 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तय करना रहा। गौभक्तों ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि उक्त तिथि को जिले भर में एक बड़ा हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से भारत के माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, माननीय राज्यपाल और माननीय मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को सामूहिक रूप से ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। अभियान के जिला प्रभारी बाबूलाल टाक और संभाग प्रभारी नंदकिशोर तेली ने गौ सेवा को समय की मांग बताते हुए सभी उपस्थित जनों का मार्गदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि गौ संरक्षण केवल एक कार्य नहीं, बल्कि धर्म और संस्कृति को बचाने का माध्यम है। बैठक में बड़ी संख्या में जिले भर से आए गौभक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और तन-मन-धन से गौ सेवा के संकल्प को दोहराया।

प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति

इस पुनीत कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवीलाल साहू, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष तेजवीर सिंह चुंडावत, पूर्व नगर अध्यक्ष सत्यनारायण छिपा, चुन्नीलाल सिंधी, जगदीश चौहान, महामंत्री सरवन साहू, नितिन टेलर, श्री राम गुर्जर, श्रवण प्रतापपुर, राहुल रावत, कमलेश टेलर, दिनेश साहू और संदीप टेलर सहित अनेक गणमान्य नागरिक और गौ प्रेमी उपस्थित रहे। संगोष्ठी के अंत में सभी ने गौ सेवा के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में सकारात्मक संदेश देने का आह्वान किया।

52 गांवों की एकजुटता का संकल्पः चंवरा के बालाजी मंदिर में गुर्जर गौड़ समाज की ऐतिहासिक बैठक, श्यामलाल आचार्य कार्यकारी अध्यक्ष निर्वाचित

महर्षि गौतम ऋषि की पूजा-अर्चना से हुआ शुभारंभ, संगठन विस्तार, धर्मशाला निर्माण और सामाजिक एकता पर लिए गए अहम निर्णय

भीलवाड़ा फोकस @ बड़लियास

(रोशन वैष्णव) चंवरा के बालाजी मंदिर परिसर में रविवार को गुर्जर गौड़ समाज की 52 गांवों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के आराध्य महर्षि गौतम ऋषि की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद समाज के वरिष्ठजनों एवं विभिन्न गांवों से आए प्रतिनिधियों ने संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता, शिक्षा और समाजहित से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में 52 गांव गुर्जर गौड़ समाज के अध्यक्ष नारायणलाल चतुर्वेदी एवं समाज अध्यक्ष नंदकिशोर आचार्य की अध्यक्षता में संगठन के विस्तार, सामाजिक एकता और समाजहित से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर गहन मंथन किया गया। विचार-विमर्श के उपरांत सर्वसम्मति से श्यामलाल आचार्य (सिंहपुरा) को गुर्जर गौड़ समाज का कार्यकारी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वहीं मुकेश श्रोती, बाबूलाल जोशी एवं मदनलाल व्यास को कार्यकारिणी सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समाजजनों ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया तथा सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज के 52 गांवों को एकजुट कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। प्रत्येक गांव में सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे तथा नियमित बैठकों के माध्यम से सामाजिक गतिविधियों को गति दी जाएगी। साथ ही समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, सामाजिक समरसता एवं आपसी भाईचारे को मजबूत करने का भी संकल्प लिया गया।

बैठक का एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी रहा कि चंवरा के बालाजी मंदिर परिसर में गुर्जर गौड़ समाज द्वारा समाजबंधुओं की सुविधा एवं सामाजिक-धार्मिक आयोजनों को ध्यान में रखते हुए एक भव्य धर्मशाला का निर्माण कराया जाएगा। समाजजनों ने इस प्रस्ताव का सर्वसम्मति से समर्थन करते हुए इसे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया तथा निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के समापन पर महर्षि गौतम ऋषि की सामूहिक आरती की गई। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं को प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी ने सामूहिक महाप्रसादी ग्रहण की। अंत में शीघ्र अगली बैठक आयोजित करने का निर्णय लेते हुए समाज को संगठित, शिक्षित और सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प दोहराया गया।

बैठक में समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं 52 गांवों से आए समाजबंधुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

प्रथम त्रैमासिक न्यायिक कार्यशाला में समसामयिक विधिक विषयों पर मंथन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा,

राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी, जोधपुर के निर्देशानुसार रविवार को भीलवाड़ा में प्रथम त्रैमासिक न्यायिक कार्यशाला-2026 का आयोजन होटल हरिविलास के कॉन्फ्रेंस हॉल में हुआ। कार्यशाला की अध्यक्षता राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति फरजंद अली ने की। इसमें भीलवाड़ा एवं बूंदी जिले के न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला में जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन, एमएसीटी बूंदी के न्यायाधीश पंकज नरूका सहित दोनों जिलों के न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान न्यायिक अधिकारियों ने विभिन्न समसामयिक एवं महत्वपूर्ण विधिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हुए नवीनतम न्यायिक दृष्टांतों और कानूनी प्रावधानों पर चर्चा की।

पहले सत्र में 'लैंगिक समानता सुनिश्चित करने में न्यायाधीशों की भूमिका' विषय पर पॉश (POSH) अधिनियम-2013, न्यायिक कार्यवाही में जेंडर-न्यूट्रल भाषा के प्रयोग, लैंगिक संवेदनशीलता तथा दहेज संबंधी अपराधों के सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर मंथन किया गया। वहीं दूसरे सत्र में डिजिटल गिरफ्तारी एवं साइबर अपराध में धन की पुनर्प्राप्ति विषय पर राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP), ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, बैंक खाते फ्रीज करने की प्रक्रिया और संबंधित न्यायिक निर्णयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

न्यायमूर्ति फरजंद अली ने दोनों विषयों पर न्यायिक अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए बदलते समय में विधिक ज्ञान के सतत अद्यतन रहने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला के अंत में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट देवांगनी ओडिच्य ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

भीलवाड़ा को मिला आधुनिक आधार सेवा केंद्र, सांसद दामोदर अग्रवाल ने किया शुभारंभ

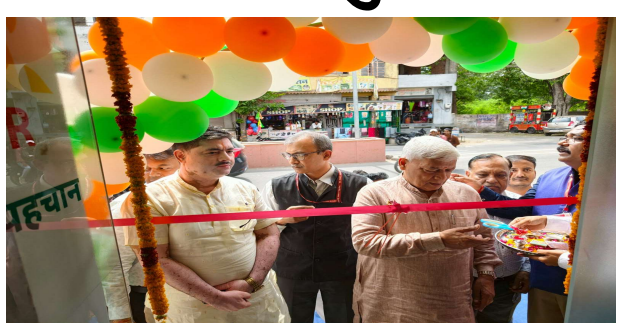

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

आमजन को आधार संबंधी सेवाएं एक ही स्थान पर सुगमता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने भीलवाड़ा में आधुनिक आधार सेवा केंद्र शुरू किया है। आज़ाद नगर स्थित कुंभा सर्किल रोड पर रविवार को सांसद दामोदर अग्रवाल ने फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सांसद अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया और सुशासन की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में यह केंद्र महत्वपूर्ण कदम है। इससे भीलवाड़ा और आसपास के क्षेत्र के लोगों को आधार से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही स्थान पर पारदर्शी एवं सुविधाजनक तरीके से मिल सकेंगी। उन्होंने स्वयं भी केंद्र पर अपना आधार अपडेट कराया और लोगों से समय-समय पर आधार विवरण अपडेट कराने की अपील की।

केंद्र अधीक्षक ने बताया कि यहां नए आधार नामांकन, नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, ई-मेल, फोटो और बायोमेट्रिक अपडेट सहित सभी आधार सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। केंद्र में हेल्प डेस्क, टोकन प्रणाली, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, दिव्यांगजनों के लिए रैंप, सुगम शौचालय और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। सभी सेवाएं यूआईडीएआई के निर्धारित शुल्क एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराई जाएंगी।

यूआईडीएआई अधिकारियों ने बताया कि 5 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट 30 सितंबर 2026 तक निःशुल्क किया जा रहा है। यह सुविधा आधार सेवा केंद्रों के साथ-साथ स्कूलों में आयोजित विशेष शिविरों के माध्यम से भी उपलब्ध रहेगी।

कार्यक्रम में यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली के उप महानिदेशक अविनाश अग्रवाल (आईटीएस), निदेशक कुमार उज्ज्वल, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मोक्षधाम में दो घंटे श्रमदान, कंटीली झाड़ियां हटाकर चलाया स्वच्छता अभियान

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर।

मोक्षधाम समिति के नेतृत्व में रविवार को मोक्षधाम परिसर में 'शमशान में श्रमदान' अभियान चलाया गया। सुबह 10:15 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक चले दो घंटे के श्रमदान में समाजसेवियों ने कंटीली झाड़ियां हटाने, गाजर घास उन्मूलन और स्वच्छता अभियान में भाग लिया। समिति प्रभारी रमेशचंद्र वैष्णव ने बताया कि श्रमदान के दौरान मोक्षधाम परिसर से कंटीली झाड़ियों को हटाकर मौके पर ही नष्ट किया गया, जिससे परिसर स्वच्छ एवं कंटकमुक्त हो सके।

अभियान में सेवानिवृत्त शिक्षक एवं समाजसेवी शिवलाल शर्मा, रामगोपाल दाधीच, गौभक्त भंवरलाल खारोल, भारत विकास परिषद के संरक्षक सुभाषचंद्र झंवर, रायपुर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष दिनेशचंद्र झंवर, मंगल व्यास, पं. राधेश्याम शर्मा, सुरेंद्र सिंह तंवर, राजकुमार टेलर, हेमंत नामदेव, कमलेश वैष्णव, दिनेश शर्मा, दिनेश लाड, कैलाश लोहार, प्रकाश माली सहित अनेक समाजसेवियों ने श्रमदान कर अभियान को सफल बनाया।

देवनारायण भगवान के नाम सजी भव्य भजन संध्या, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर।

पुरना थाना क्षेत्र स्थित मंगरी में एक शाम ढाबा के बावजी देवनारायण भगवान के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान देवनारायण की आराधना की। आयोजक शोभालाल एवं रतनलाल जीनगर ने बताया कि भजन संध्या का आयोजन लोककल्याण एवं धार्मिक आस्था को समर्पित रहा। भजन गायक शोभालाल रेबाड़ा ने देवनारायण भगवान, महादेव एवं निर्गुण भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। उनके भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते रहे। कार्यक्रम में महिलाओं एवं पुरुषों ने उत्साह के साथ भजनों का आनंद लिया। अंत में भगवान देवनारायण की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर बावजी के पुजारी, पीरूलाल, लेहरूलाल, रतनलाल गाडरी, बगतु, मांगीलाल, रुगनाथ भोपा, रोशनलाल, रामनारायण चंदेल, लोक अभियोजक दिनेश बाफना, पुष्पेंद्र सिंह राणावत, अमित तिवारी, गौभक्त सुनील सिंह, श्यामलाल जाट, किशनलाल जीनगर, चांदमल जीनगर, पारसमल, पवन सोनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

QUICK BITES

बाण माता शक्तिपीठ में उमड़ा आस्था का सैलाब, दिनभर रहे दर्शनार्थियों के पहुंचने का सिलसिला

भीलवाड़ा फोकस @ मांडलगढ़।

कस्बे स्थित बाण माता शक्तिपीठ मंदिर में रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया, जो देर शाम तक लगातार जारी रहा। जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित माता के दर्शन के लिए पहुंचे।

दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में आयोजित प्रसादी का लाभ लिया। यहां देसी घी से बने चावल का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। मंदिर परिसर में मेले जैसा माहौल देखने को मिला, जहां लगी दुकानों पर महिलाओं एवं बच्चों ने खरीदारी का आनंद लिया।

पहले ही प्रयास में नीट में ऑल इंडिया 290वीं रैंक, अभिषेक किर ने बढ़ाया मान

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला।

पुरावतो निवासी होनहार छात्र अभिषेक किर ने पहले ही प्रयास में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में शानदार सफलता हासिल करते हुए ऑल इंडिया 290वीं रैंक तथा ओबीसी वर्ग में 76वीं रैंक प्राप्त की है। इस उपलब्धि से परिवार, समाज और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

अभिषेक, कालूलाल किर के पुत्र हैं। उनके पिता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान विषय के वरिष्ठ अध्यापक हैं। वहीं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बंशीलाल किर ने भी उनकी तैयारी में मार्गदर्शन देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभिषेक शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और उन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन तथा निरंतर अध्ययन के दम पर यह सफलता अर्जित की।

अभिषेक की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, समाजजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हर पंचायत रक्त पंचायत अभियान , कांदा में प्रथम रक्तदान शिविर में युवाओं ने दिखाया जबरदस्त उत्साह 70 यूनिट रक्तदान

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर ।

सांवर वैष्णव

मानवता की सेवा और जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कांदा गांव में हर पंचायत रक्त पंचायत अभियान के तहत आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर में 70 युवाओं ने रक्तदान किया । रक्तदान शिविर' आयोजन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सुबह 9 बजे से शुरू हुआ ओर युवाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया । 40 से अधिक युवाओं ने प्रथम बार रक्तदान किया । हर पंचायत रक्त पंचायत अभियान के संस्थापक गोपाल विजयवर्गीय ने बताया कि हर पंचायत रक्त पंचायत अभियान के तहत समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में युवतियों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया निरमा जाट एवं दिव्या जाट ने प्रथम बार रक्तदान किया । 8 रक्तदाताओं ने दुर्लभ रक्त का दान किया । सभी रक्तदाताओं को रक्तदाता सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया । रक्त संग्रहण कोटड़ी श्याम ब्लड सेंटर टीम द्वारा किया गया । ग्रामवासियों के की ओर से सभी रक्तवीरो का आभार व्यक्त किया गया ।

मंगल पांडे की जयंती पर गौशाला में की गौसेवा, युवाओं ने उनके बलिदान को किया नमन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया।

मानव तिवाड़ी । प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम-1857 के महानायक एवं अमर क्रांतिकारी मंगल पांडे की जयंती पर रविवार को नगर में निष्काम गौ सेवा तंत्र और गो चिकित्सालय समिति के तत्वावधान में गौसेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाकर महान क्रांतिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मंगल पांडे ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ सबसे पहले विद्रोह का बिगुल फूंककर देश के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में तूफान यादव, फूल सिंह यादव, हेमंत सिंह भदोरिया, अब्बास अली, अभिषेक यादव, समीर हुसैन, संजय, सौरभ पटवा, कमल नायक, भारत नायक, अनुराग नायक, गौरव शर्मा सहित बालाजी क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।